सर्व शिक्षा अभियान

सब पढ़ें सब बढ़ें

मिशन शिक्षण संवाद

जीवन यात्रा

[वर्तमान उच्च पदस्थापित महानुभावों का संक्षिप्त जीवन परिचय]

अपनी बात

जिस प्रकार से हम अपने घर,परिवार के बारे में पूर्ण जानकारी रखते हैं न कि सिर्फ नाम जानते हैं ठीक उसी प्रकार सभी छात्र/छात्रा देश व अपने प्रदेश के सर्वोच्च पदों पर आसीन महानुभावों जैसे वर्तमान राष्ट्रपति,उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री,प्रदेश की राज्यपाल ,मुख्यमंत्री के जीवन के बारे में भी जान सकें जो वर्तमान में प्रत्यक्ष रूप से देश व प्रदेश का संचालन कर रहे हैं ।

इसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर यह संकलन तैयार किया गया है।आशा है कि संकलन का उद्देश्य सम्मानित शिक्षक साथियों व शिक्षिका बहनों के माध्यम से पूर्ण हो सकेगा।

शुभकामनाएं!

संकलनकर्ता

अजय सिंह (स.अ.)

प्राथमिक विद्यालय राजापुर

विकासखंड – राही, जनपद - रायबरेली (उ.प्र.)

रूपरेखांकन

ज्ञान प्रकाश (प्र.अ.)

प्राथमिक विद्यालय जैतपुर-फफूँद

विकासखंड – भाग्यनगर, जनपद – औरैया (उ.प्र.)

भारत की राष्ट्रपति
श्रीमती द्रौपदी मुर्मू

श्रीमती द्रौपदी मुर्मू (भारत की राष्ट्रपति)

(संक्षिप्त जीवन परिचय)

अनमोल कथन- " कोई भी मुकाम आपकी परिस्थितियों और हालातों पर भारी नहीं होती बस स्वयं की क्षमता और उर्जा पर विशवास कीजिये | "

द्रौपदी मुर्मू का जन्म 20 जून 1958 को ओडिशा के मयूरभंज जिले के बैदापोसी गाँव में एक संथाल परिवार में हुआ था। इनके पिता का नाम बिरंचि नारायण टुडु था। इनके दादा और इनके पिता दोनों ही गाँव के प्रधान रहे।

द्रौपदी मुर्मू की प्रारंभिक शिक्षा इनके गाँव के विद्यालय में ही हुई है। प्रारंभिक शिक्षा पूरी करने के बाद यह भुवनेश्वर चली गई। भुवनेश्वर में राम देवी महिला कॉलेज से इन्होंने स्नातक की शिक्षा प्राप्त की। इसके बाद इन्हें जूनियर असिस्टेंट के पद पर नौकरी मिली। इन्होंने 1979 से लेकर 1983 तक बिजली विभाग में जूनियर असिस्टेंट के तौर पर कार्य किया।

1994-1997 तक रायरंगपुर के अरबिंदो इंटीग्रल एजुकेशन में शिक्षिका के तौर पर काम किया।

इनका विवाह श्याम चरण मुर्मू से हुआ। इनके दो बेटे और एक बेटी थी। दुर्भाग्यवश दोनों बेटों और उनके पति तीनों की अलग-अलग समय पर अकाल मृत्यु हो गयी। इनकी पुत्री विवाहिता है और भुवनेश्वर में रहती हैं। इस तरह से द्रौपदी मुर्मू जी का जीवन बहुत ही संघर्षपूर्ण रहा।

धीरे-धीरे ये राजनीति में आ गई।

इन्होंने सन 1997 में राइरंगपुर नगर पंचायत के पार्षद चुनाव में जीत दर्ज कर अपने राजनीतिक जीवन का आरंभ किया था। द्रौपदी मुर्मू जी ओडिशा के मयूरभंज जिले की रायरंगपुर सीट से 2000 और 2009 में दो बार चुनाव जीती और विधायक बनीं। ओडिशा में नवीन पटनायक के बीजू जनता दल और भाजपा गठबंधन की सरकार में द्रौपदी मुर्मू जी को 2000 और 2004 के बीच वाणिज्य, परिवहन और बाद में मत्स्य और पशु संसाधन विभाग में मंत्री बनाया गया था।

द्रौपदी मुर्मू जी मई 2015 में झारखंड की 9वीं राज्यपाल बनाई गई थीं। झारखंड की पहली महिला राज्यपाल बनने का खिताब भी द्रौपदी मुर्मू जी के नाम रहा। साथ ही यह किसी भी भारतीय राज्य की राज्यपाल बनने वाली पहली आदिवासी भी हैं।

25 जुलाई 2022 को भारत के 15 वें राष्ट्रपति के रूप में द्रौपदी मुर्मू जी ने कार्यभार सम्हाला। ये भारत की राष्ट्रपति बनने वाली देश की प्रथम आदिवासी हैं। इस तरह से द्रौपदी मुर्मू जी वर्तमान में भारत के सर्वोच्च पद राष्ट्रपति के पद को सुशोभित कर रहीं हैं।

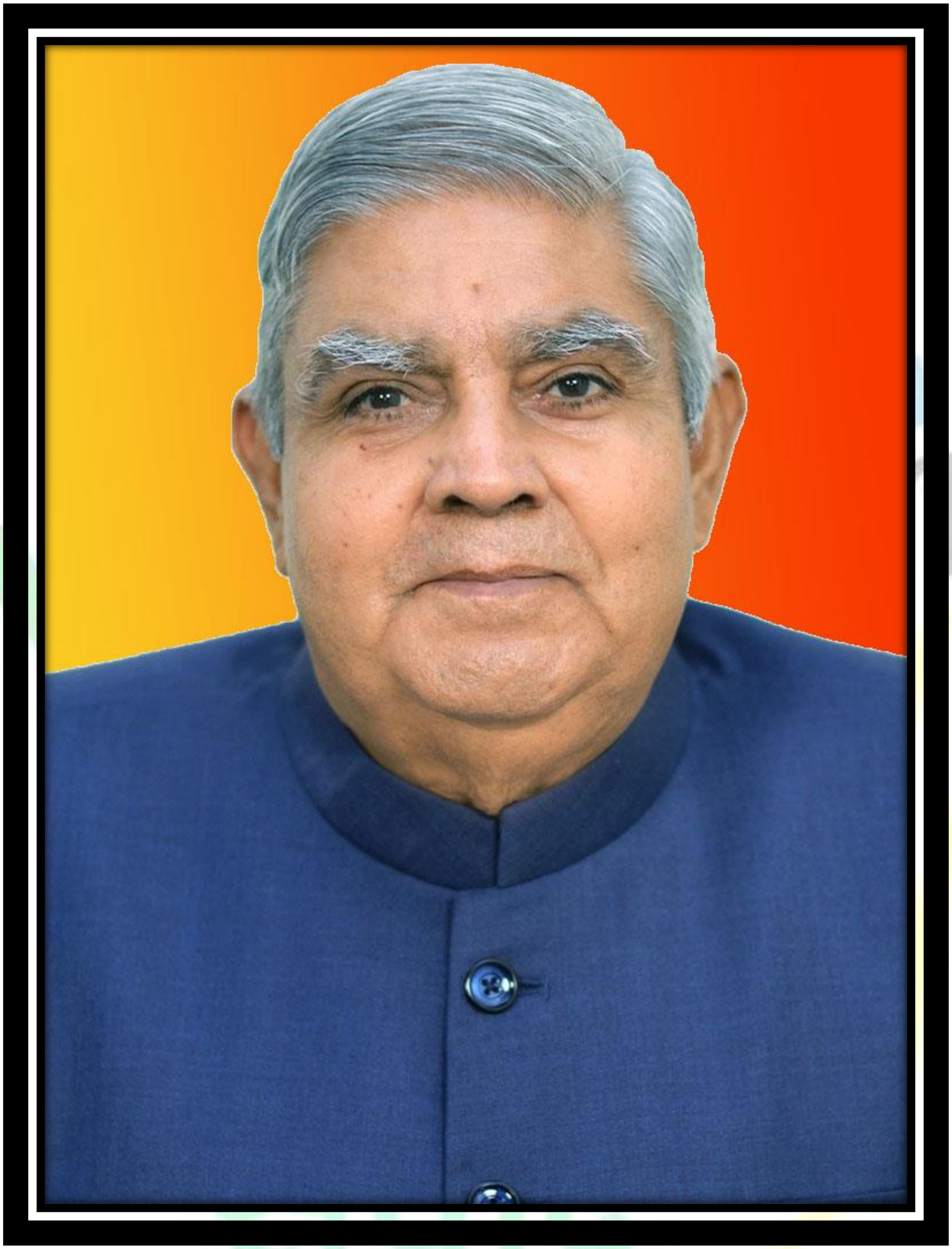

भारत के उपराष्ट्रपति
श्री जगदीप धनखड़

श्री जगदीप धनखड़ (भारत के उपराष्ट्रपति)

(संक्षिप्त जीवन परिचय)

अनमोल कथन- " अपनी प्रतिभा को चमकने दो | "

जगदीप धनखड़ का जन्म 18 मई 1951 को राजस्थान राज्य के झुंझनू जिला के किठाना गाँव में जाट परिवार में हुआ। इनके पिता का नाम चौधरी गोकुल चन्द्र एवं माता का नाम केशरी देवी है। इनके बड़े भाई कुलदीप धनखड़, छोटे भाई रणदीप धनखड़ और बहन का नाम इंद्र है। इनकी पत्नी का नाम सुदेश धनखड़ है।

जगदीप धनखड़ की प्रारंभिक शिक्षा सरकारी स्कूल से हुई। ये स्कूल उनके गाँव किठाना में ही स्थित है। उसके बाद उन्होंने कक्षा 6 में घर से कुछ दूरी पर दूसरे स्कूल में दाखिला लिया। स्कूल दूर होने के कारण यह पैदल यात्रा करते थे। वर्ष 1962 में उन्होंने सैनिक स्कूल में दाखिला लिया। इसके बाद इन्होंने आगे की पढ़ाई राजस्थान विश्वविद्यालय से की। जहाँ से उन्होंने बीएससी भौतिक की पढ़ाई की भौतिक में डिग्री हासिल करने के बाद इन्होंने उसी विश्वविद्यालय से एल.एल.बी. की पढ़ाई की। जिसकी डिग्री इन्हें साल 1979 में प्राप्त हुई।

जगदीप धनखड़ का राजनीतिक सफर काफी लंबा रहा है। वर्ष 1989 से 1991 तक राजस्थान के झुंझुनू से सांसद थे। वर्ष 1990 में केंद्रीय मंत्री भी रहे। इसके बाद यह 1993 से 1998 के बीच राजस्थान के किशनगढ़ से विधानसभा के सदस्य रहे। 30 जुलाई 2019 को पश्चिम बंगाल के राज्यपाल बने। 11 अगस्त 2022 को भारत के 14 वें उपराष्ट्रपति की शपथ ली और कार्यभार सम्हाला। वर्तमान में जगदीप धनखड़ भारत के उपराष्ट्रपति पद को सुशोभित कर रहे हैं।

भारत के प्रधानमंत्री

श्री नरेंद्र मोदी

श्री नरेंद्र मोदी (भारत के प्रधानमंत्री)

(संक्षिप्त जीवन परिचय)

अनमोल कथन - " एक बार जब हम यह तय कर लेते हैं कि हमें कुछ करना है तो हम मीलों आगे जा सकते हैं। "

नरेन्द्र मोदी जी वर्तमान में भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री हैं।इनका जन्म 17 सितम्बर 1950 को वडनगर ,गुजरात में हुआ था।इनका पूरा नाम 'नरेन्द्र दामोदर दास मोदी' है।इनकी माता का नाम हीरा बेन मोदी व पिता का नाम दामोदर दास मूलचन्द्र मोदी था ।नरेंद्र मोदी जी अपने माता-पिता की तीसरी सन्तान हैं।मोदी जी के बड़े भाई सोमा मोदी स्वास्थ्य विभाग में अधिकारी रह चुके हैं ।इनके दूसरे बड़े भाई अमृत मोदी एक मशीन ऑपरेटर हैं इसके बाद मोदी जी के दो छोटे भाई हैं।एक प्रह्लाद मोदी अहमदाबाद में एक शॉप चलाते हैं एवं दूसरे छोटे भाई पंकज मोदी गांधी नगर में सूचना विभाग में एक क्लर्क के रूप में कार्यरत हैं।इनकी बहन का नाम बासंती बेन हसमुखलाल मोदी है।

नरेन्द्र मोदी जी का विवाह 18 साल की उम्र में 'जशोदाबेन'के साथ हुआ ।मोदी जी का अपनी पत्नी से तलाक नहीं हुआ लेकिन फिर भी वे दोनों एक साथ नहीं रहे।मोदी जी की पत्नी 'जशोदा बेन' एक सरकारी स्कूल में शिक्षिका के रूप में कार्य किया करती थी जो कि अब रिटायर हो चुकी हैं।

मोदी जी बचपन में चाय बेचने में अपने पिता की मदद की और बाद में अपना खुद का स्टाल चलाया ।आठ साल की उम्र में आर एस एस से जुड़े

2001 में मोदी को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में नियुक्त किया और इनके विकास युक्त कार्यों के कारण गुजरात की जनता ने इन्हें लगातार 4 बार गुजरात का मुख्यमंत्री बनाया।

नरेन्द्र मोदी जी 26 मई 2014 को भारत के 14वें प्रधानमंत्री बने।

5 वर्ष तक प्रधानमंत्री के रूप में कार्य करने के बाद 2019 के लोकसभा चुनाव में एक बार फिर भारत की जनता ने भारतीय जनता पार्टी व राजग को प्रचण्ड बहुमत दिया जिससे 2019 में पुनः मोदी जी लगातार दूसरी बार भारत के प्रधानमंत्री बने।

आज नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत देश बहुआयामी विकास की ओर अग्रसर है। ऐसे यशस्वी प्रधानमंत्री को कोटिशः नमन !

राज्यपाल, उत्तरप्रदेश

श्रीमती आनंदी बेन पटेल

श्रीमती आनंदी बेन पटेल

(राज्यपाल, उत्तरप्रदेश)

(संक्षिप्त जीवन परिचय)

अनमोल कथन - " समस्याओं को देखकर आँख बंद ना करें | "

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनन्दीबेन पटेल का जन्म मेहसाणा जिले के विजापुर तालुका के 'खरोद'गांव में 21 नवंबर 1941 को एक पाटीदार परिवार परिवार में हुआ था। इनका पूरा नाम आनन्दीबेन जेठाभाई पटेल है। इनके पिता जेठाभाई पटेल एक गांधीवादी नेता थे। उन्हें कई बार लोगों ने गाँव से निकाल दिया था क्योंकि वह ऊंच -नीच और जातीय भेद-भाव को मिटाने की बात करते थे।आनंदी के ऊपर अपने पिता का भरपूर प्रभाव पड़ा, इनके आदर्श भी इनके पिता ही हैं।इनकी माता का नाम 'मोना बेन पटेल' है।

इन्होंने कन्या विद्यालय में चतुर्थ कक्षा तक कि पढ़ाई की तत्पश्चात इन्हें आगे की पढ़ाई के लिए ब्याज स्कूल में भर्ती कराया गया जहाँ 700 लड़कों के बीच वे अकेली लड़की थी। आठवीं कक्षा में इनका दाखिला विसनगर के नूतन सर्व विद्यालय में कराया गया। विद्यालयीय शिक्षा के दौरान एथलेटिक्स में उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए इन्हें 'बीरबाला' पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

1960 में इन्होंने विसनगर की भिलवाई कॉलेज में प्रवेश लिया जहाँ पूरे कॉलेज में प्रथम वर्ष विज्ञान में एक मात्र लड़की थी।इन्होंने यहाँ से विज्ञान स्नातक की पढ़ाई पूरी की।

1962 में इनका विवाह मफतलाल पटेल के साथ हुआ फिर 1965 में ये अपने पति मफतलाल पटेल के साथ अहमदाबाद आ गयी जहाँ इन्होंने विज्ञान विषय के साथ स्नातकोत्तर की पढ़ाई पूरी की।शिक्षा क्षेत्र में अभिरुचि के कारण इन्होंने यहीं से एम.एड.की भी पढ़ाई पूरी की और 1970 में प्राथमिक शिक्षक के रूप में अहमदाबाद के 'मोहनीबा कन्या विद्यालय में अध्यापन कार्य में संलग्न हो गई।

आनन्दी बेन पटेल जी के दो बच्चे क्रमशः संजय पटेल (बेटा) व अनार पटेल (बेटी) है। ये शाकाहारी हैं।

1988 में आनंदीबेन पटेल भाजपा में शामिल हो गई।नरेन्द्र मोदी जी के गुजरात के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद आनन्दी बेन पटेल जी को गुजरात का मुख्यमंत्री बनाया गया। इस तरह से ये गुजरात की पहली महिला मुख्यमंत्री बनीं। फिर 1 अगस्त 2016 को इन्होंने गुजरात के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया।

29 जुलाई 2019 से उत्तरप्रदेश के राज्यपाल के पद को सुशोभित कर रही हैं।

मुख्यमंत्री, उत्तरप्रदेश
श्री योगी आदित्यनाथ

श्री योगी आदित्यनाथ

(मुख्यमंत्री, उत्तरप्रदेश)

(संक्षिप्त जीवन परिचय)

अनमोल कथन - " जो बातें समाज के खिलाफ हों उन बातों पर हमें आवाज उठानी चाहिए। "

वर्तमान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी का जन्म 5 जून 1972 को उत्तराखंड के पौड़ीगढ़वाल जिले के यमकेश्वर तहसील के पंचुर गाँव में हुआ है।योगी आदित्यनाथ गढ़वाली राजपूत हैं। इनके पिता का नाम 'आनन्द सिंह बिष्ट और माता का नाम सावित्री देवी है। योगी आदित्यनाथ जी के पिता एक फारेस्ट रेंजर थे।

योगीआदित्यनाथ भाई -बहन मिलकर 7 भाई-बहन हैं। इनके तीन बड़ी बहन हैं और एक बड़े भाई हैं और दो छोटे भाई हैं।

इन्होंने सन 1977 में टिहरी के गजा में स्थित स्कूल में पढ़ाई शुरू की। सन 1987 में यहाँ से ही इन्होंने 10वीं की परीक्षा पास की। सन 1989 में ऋषिकेश के श्री भरत मंदिर इंटरमीडिएट कॉलेज से इन्होंने इंटरमीडिएट की परीक्षा उत्तीर्ण की। सन 1992 में हेमवती नंदन बहुगुणा विश्वविद्यालय से गणित विषय के साथ बी एस सी की परीक्षा पास की।

1993 में गणित में एम.एस. सी.की पढ़ाई के दौरान गुरु गोरखनाथ पर शोध करने पर गोरखपुर प्रवास के दौरान ही ये महंत अवैद्यनाथ के सम्पर्क में आए थे जो इनके पड़ोस के गाँव के निवासी और परिवार के पुराने परिचित थे।अंततः ये महंत की शरण में ही चले गए और दीक्षा ले ली। 1994 में ये सन्यासी बन गए और इनका नाम अजय सिंह बिष्ट से योगी आदित्यनाथ हो गया।

बाद में 12 सितम्बर 2014 को गोरखनाथ मंदिर के महंत अवैद्यनाथ के निधन के बाद योगी जी को यहाँ का महंत बनाया गया। 2 दिन बाद इन्हें नाथ पंथ के पारम्परिक अनुष्ठान के अनुसार मंदिर का पिता 'पीठाधीश्वर' बनाया गया।

सन 1998 में योगी आदित्यनाथ जी ने गोरखपुर से भाजपा प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़ा और चुनाव जीतकर मात्र 26 वर्ष की उम्र में बारहवीं लोकसभा के सबसे युवा सांसद बने।

19 मार्च 2017 को योगी आदित्यनाथ जी उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री बने और तब से आज तक उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री पद को सुशोभित कर रहे हैं|